हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार, 22 सितंबर 2025

11 मां भीमेश्वरी देवी नवरात्र मेला आज से, तैयारियां पूरी

12 जीत के बाद आर्यन ने लिया मनोहरलाल से आशीर्वाद

खबर संक्षेप

रास्ता रोककर महिला पर हमला, केस दर्ज

बहादुरगढ़। गांव बादली में रास्ता रोककर एक महिला पर हमला करने का मामला सामने आया है। पड़ोस में रहने वाली मां-बेटी सहित चार महिलाओं पर मारपीट करने व धमकी देने का आरोप है। पुलिस ने मामले में छानबीन शुरू कर दी है। घायल की पहचान नीलम के रूप में हुई है। नीलम का कहना है कि पड़ोसी में रहने मां बेटी तथा दो अन्य महिलाएं अक्सर उसके साथ झगड़ती हैं। हाल ही में जब वह कहीं जा रही थी तो चारों ने रास्ता रोक लिया। कहने लगी कि तुमने गली में टंकी क्यों रखी है। इस पर मैंने कहा कि अभी हटा देती हैं लेकिन उन्होंने झगड़ा शुरू कर दिया। मारपीट करने लगी और कपड़े धोने वाले सोटे से मेरे सिर व हाथ पर वार किए। इस वजह से सिर फूट गया और हाथ में फ्रेक्चर हो गया। जाते-जाते धमकी भी दे गई। इसके बाद परिजनों ने मुझको अस्पताल में भर्ती कराया।

नाबालिग पर शादी के लिए दबाव बनाने का आरोप

बहादुरगढ़। सदर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की पर शादी का दबाव बनाने, बहला फुसलाकर ले जाने व परिवार को धमकी देने का मामला सामने आया है। बादली थाने के अधीन लगते एक गांव के युवक पर ये गंभीर आरोप हैं। शिकायतकर्ता ने कहा है कि उसकी 16 वर्षीय भतीजी को आरोपी युवक बहला फुसलाकर जबरदस्ती कहीं ले गया। फिर उस पर शादी का दबाव बनाया, बच्ची को परिवार को मारने की धमकी भी दी। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने पोक्सो सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

अब 4.16 करोड़ रुपये में सांखोल से सेक्टर-9 बाईपास तक सुधरेगी सड़क

विधायक राजेश जून ने किया निर्माण कार्य का शुभारंभ, प्रथम चरण में जाखौदा से सांखोल तक 9.80 करोड़ में बनाई थी सड़क व सीसी नाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

रविवार को विधायक राजेश जून ने सांखोल गांव से सेक्टर-9 बाईपास मोड़ तक बनने वाली दिल्ली-रोहतक रोड के निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर विधिवत शुभारंभ किया। विधायक ने बताया कि इस कार्य पर 4 करोड़ 16 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। जबकि पहले चरण में करीब 9 करोड़ 80 लाख रुपए खर्च कर सांखोल से जाखोदा तक दिल्ली-रोहतक रोड सड़क की सेहत सुधारी गई थी। बता दें कि शहर के बीचोंबीच जाखौदा से सेक्टर-9 मोड़ तक दिल्ली रोहतक रोड का दायित्व लोक निर्माण विभाग के पास है। पीडब्ल्यूडी ने दिल्ली रोहतक रोड पर जाखौदा से सांखोल तक करीब 4.0 किलोमीटर लंबी स्ट्रेच में सीसी नाले के साथ ही सड़क का निर्माण किया था। विधायक प्राथमिकता कार्य के अंतर्गत इस निर्माण कार्य पर 9.80 करोड़ रुपए की लागत आई थी।

पहले चरण में सांखोल से जाखोदा तक सड़क की सेहत सुधारी गई थी

बहादुरगढ़। सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून।

विधायक ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया

विधायक राजेश जून ने इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया। उनके अनुसार शहर की इस सबसे अहम सड़क की हालत लंबे समय से खराब बनी हुई थी। निर्माण के बाद एक तरफ जहां सड़क पर जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा। वहीं दूसरी तरफ वाहन चालकों को भी आवागमन में सुविधा होगी।

निर्माण कार्य में लापरवाही को सहन नहीं करेंगे

लोक निर्माण विभाग ने वर्ष-2024-25 के वर्क प्रोग्राम के अंतर्गत सांखोल से सेक्टर-9 मोड़ तक सड़क की सेहत सुधारने के लिए करीब साढ़े 5 करोड़ रुपए का एस्टीमेट बनाया था। इसकी अप्रूवल और फंड मिलते ही टेंडर अलॉट कर दिया गया है। इस पर 4 करोड़ 16 लाख रुपए की लागत आएगी। विधायक राजेश जून ने रविवार को उद्घाटन करते हुए अधिकारियों और ठेकेदार को निर्माण कार्य में मानक अनुसार सामग्री लगाने की हिदायत दी। साथ ही किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता से कोई समझौता सहन नहीं किया जाएगा।

जबरदस्त टक्कर से दोनों वाहन क्षतिग्रस्त एयरबैग खुलने से यात्रियों की जान बची

बहादुरगढ़ फ्लाईओवर पर दो कारों में भिड़ंत, चार घायल

झज्जर। दुर्घटना स्थल पर क्षतिग्रस्त कारें व उपस्थित राहगीर।

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शहर के बहादुरगढ़ मार्ग पर बने फ्लाईओवर पर रविवार सुबह दो कारों की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जहां दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई वहीं एक कार चालक सहित चार लोग घायल हो गए।

कार के एयरबैग खुलने से अन्य सवारियों को हल्की चोटें आईं। घटना के बाद राहगीरों द्वारा घायल लोगों अस्पताल पहुंचाया गया। जहां कार चालक की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद पीजीआई रोहतक रैफर कर दिया गया।

ऐसे हुआ हादसा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रेवाड़ी की ओर से आ रही एक कार असंतुलित होकर डिवाइडर से कूदते हुए दूसरी ओर रोहतक की तरफ से आने वाली एक अन्य कार से जा टकराई। बताया जा रहा है कि दूसरी कार में तीन लोग सवार थे जो भिवानी के कलिंगा गांव के रहने वाले थे। उन्हें भी हल्की चोटें आई है।

महिला की मौत मामले में कार चालक के खिलाफ केस दर्ज

बहादुरगढ़। रोहतक-दिल्ली रोड पर कार की टक्कर से जान गंवाने वाली महिला कमला देवी के शव का रविवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम करा दिया। इस संबंध में पुलिस की ओर से अज्ञात चालक के खिलाफ किस दर्ज किया गया है। आरोपी का पता लगाया जा रहा है। दरअसल, शनिवार की दोपहर को रोहतक-दिल्ली रोड पर हरदयाल पंप के नजदीक एक रफ्तारी कार ने ऑटो को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में ऑटो चालक सतबीर, ऑटो में सवार उसकी पत्नी कमला देवी तथा एक नर्स घायल हो गए। जबकि गाड़ी चालक व नजदीक स्थित एक दुकानदार को भी चोट आई थी। जांच के दौरान कमला देवी को मृत घोषित कर दिया गया।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा

पुलिस ने रविवार को नागरिक अस्पताल में करीब 60 वर्षीय महिला कमलादेवी के शव का पोस्टमार्टम करा दिया। कमला देवी लाइनपार की रहने वाली थी। एक अस्पताल में काम करती थी। शनिवार को उसका पति ऑटो में बैठाकर घर ले जा रहा था और रास्ते में हादसा हो गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी गाड़ी चालक का अभी कुछ पता नहीं चल सका है। जांच की जा रही है। आसपास फुटेज खंगाली जा रही है। केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच चल रही है।

23 को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन संगठन ने किया जनसंपर्क

बहादुरगढ़। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने विभिन्न कॉलोनियों में जनसंपर्क अभियान चलाते हुए मंगलवार 23 सितंबर को जंतर मंतर पर होने वाले धरने प्रदर्शन में शामिल होने का न्योता दिया। संगठन के प्रदेश सचिव जयकरण मांडोठी ने बताया कि धरने के बाद प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। ज्ञापन में किसानों, मजदूरों व गरीबों से जुड़ी मांगों को पूरा करने की अपील की जाएगी। जिला कमेटी सदस्य रामकिशन ने बताया कि किसान, भूमिहीन ग्रामीण, गरीब पशुपालक, खेत मजदूर, दिहाड़ी मजदूर परेशान हैं

फैक्ट्री में घुसकर धमकी देने का आरोप, केस

बहादुरगढ़। आसौदा में बालाजी इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक फैक्ट्री मालिक को पिस्तौल के बल पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। तीन नामजद सहित दर्जनभर लोगों पर आरोप है। दीपक ने डीसीपी को दी शिकायत में कहा है कि उनकी कंपनी की जमीन को लेकर दो लोगों से विवाद चल रहा है। इस जमीन पर कोर्ट से हमें स्टे भी मिला हुआ है। दीपक ने आरोप लगाया कि इससे पहले भी दोनों पर धोखाधड़ी समेत कई धाराओं में केस दर्ज है लेकिन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे।

पिस्तौल तानकर धमकी

पीड़ित के मुताबिक, हाल ही में जब वह फैक्ट्री में मौजूद था तो इसी दौरान उनमें से एक आरोपी अपने परिचित युवक व अन्य 8-10 अज्ञात साथियों के साथ दो गाड़ियों में पहुंचे। एक गाड़ी को गेट पर खड़ा किया गया और दूसरी बिना नंबर की फॉर्च्यूनर फैक्ट्री में घुसा दी। सभी हथियारों से लैस थे। फैक्ट्री में घुसते ही पिस्टल तानकर धमकी दी और कहा कि आज तुझे जान से मार देंगे। जल्दी से फैक्ट्री खाली कर दें।

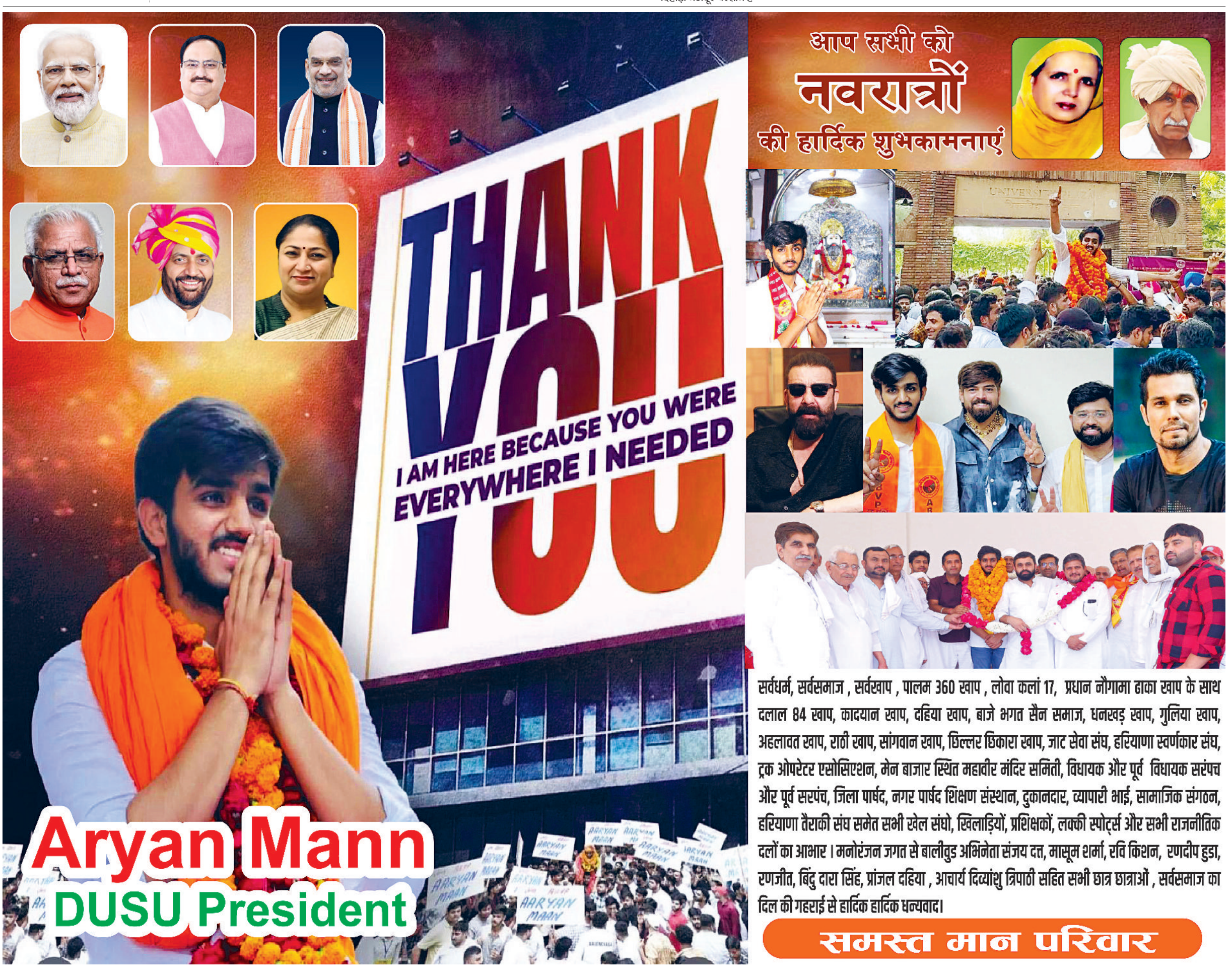

अगर दो साइकिल सवार सड़क पर एक-दूसरे से टकराकर गिर पड़ें तो उनके लिए यह लाज़िमी हो जाता है कि वे उठकर सबसे पहले लड़ें फिर धूल झाड़ें। यह पद्धति इतनी मान्यता प्राप्त कर चुकी है कि गिरकर न लड़ने वाला साइकिल सवार बुजदिल माना जाता है, क्षमाशील संत नहीं। **- हरिशंकर परसाई**

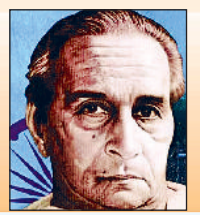

चाची सारे परिवार से छिपा कर वंदू से चिट्ठी लिखवाती अपने फौजी पति को, 'या तो अगले महीने छुट्टी लेके आ जाईयो वरना तीनों बच्चों को लेकर दौकली (एक नहर का नाम) में कूद जाऊँगी'। लिख देना बेटी कुछ भी छूटना नहीं चाहिए। सुबकती हुई चाची को धीरज देना भी वंदू का ही काम था। कृष्णा बुआ अपने पति को खत लिखवाती, जिसमें विरह वर्णन होता।

कहानी

ललिता विम्मी

अनछुए अहसास

उ उन दिनों चिट्ठी पत्री का ही ज़माना था, या फिर टेलीग्राम जिसे आम भाषा में लोग तार कहते थे, वो भी बहुत गम या बहुत खुशी के मौके पर। खुशी के वक्त तो तार बहुत ही कम या एकाध ही आता था। जब भी जिसके घर डाकिया तार लेकर आता था, उसके तो पैरों तले की जमीन ही खिसक जाती थी, और आसपास के लोग भी घबरा जाते थे। वो जमाना ही और था, बहुत स्नेह था लोगों में, एक दूसरे के लिए भावनाएं थी लोगों के दिल में। एक दूसरे के दुख- सुख में दिली तौर पर शरीक होते थे, न कि सिर्फ हाजरी भर जताने के लिए। शादी ब्याह से महीना भर पहले ही पड़ोसी भी तैयारी करवाने में जुट जाते थे। चार-पाँच दिन तक तक सब मिलकर अनाज व दालों की सफाई करते। फिर उस घर की लिपाई-पुताई मरम्मत में भी मदद करवाते, कोई अपने पराये जैसी बात नहीं थी। काम करते हुए सब मंगल गीत गाते, कोई ऐसे नहीं कहता कि उनके घर में शादी है, ऐसे बोला जाता कि हमारी गली में शादी है, फलां के बेटे की या बेटी की।

इन सब कामों के साथ-साथ एक मुख्य काम होता था चिट्ठी लिखना और न्यौता भेजना, न्यौता तो शादी से दो या तीन दिन पहले ही दिया जाता था हाँ, चिठ्ठी जरूर महीना पहले लिखनी होती थी। जो बंदा चिठ्ठी लिखता था वो बहुत ही जिम्मेदार होता, उसी के पास ब्योरा रहता था कि किस-किस को खत भेजना है और किस-किस को भेजा गया है। शादी वाले घर का मुखिया उसे अपने मेहमानों के पते वगैरह सौंप देता था। कितना अपना सा था न वो ज़माना। इस अपने से प्यारे से वक्त में सब की अपनी, सब की प्यारी थी, वृन्दा। सब उसे वंदू कहते थे। छठी में पढ़ने वाली वंदू की लिखाई ऐसी थी जैसे किसी ने कागज़ पर मोती उड़ेल दिए हो। लोग उसे अपनी भाषा में मज़मून समझा देते थे खत को भाषा और शब्द देने का काम वन्दु का होता था।

> **रात को सब के सोने के बाद वंदू ने वो गुलाबी पर्ची खोली , जो सिर्फ उसी के लिए थी, 'मैं तुम्हें बहुत पंसद करता हूँ, पहले दिन से ही, जब से तुम को देखा था। हर बार खत पर अपना दिल भेजता था पर तुमने ध्यान ही नहीं दिया शायद। मैं दो महीने बाद छुट्टी आऊँगा, आते ही तुम्हारे माँ–बाबा के पास माँ को भेज कर तुम्हारा हाथ माँग लूंगा। गर तुम्हें भी मेरी मोहब्बत मंजूर हो तो खत का जवाब दे देना। तुम्हारे जवाब के इंतजार में राजेश्वर'।**

कभी भी किसी के काम को न कहना वंदू ने सीखा ही नहीं था। सब की राजदार थी वो। बिमला चाची सारे परिवार से छिपा कर वंदू से चिट्ठी लिखवाती अपने फौजी पति को, 'या तो अगले महीने छुट्टी लेके आ जाईयो वरना तीनों बच्चों को लेकर दौकली (एक नहर का नाम) में कूद जाऊँगी'। लिख देना बेटी कुछ भी छूटना नहीं चाहिए। सुबकती हुई चाची को धीरज देना भी वंदू का ही काम था। कृष्णा बुआ अपने पति को खत लिखवाती, जिसमें विरह वर्णन होता। भरथो दादी अपने पीहर रामरमी की चिट्ठी जरूर लिखवाती, हर महीने और उन की चिट्ठी का जवाब भी आता। लिखना और पढ़ना सभी काम वंदू के ही थे। ऐसा नहीं था कि पूरी गली में सिर्फ वही पढ़ना-लिखना जानती थी, और भी बहुत लोग थे। लड़के लड़कियाँ जो उससे बड़ी कक्षाओं में भी थे, पर पता नहीं क्यों तमाम गली की ख़त-ओ-किताबत वंदू ही के हिस्से थी। कभी कभी तो उसके स्कूल से आते ही रास्ते मे ही बिमला चाची धीरे से बुलाती, 'आजा छोरी कब की बाट देख रही हूँ थारी'। 'चाची बस रोटी खा ल्यूं , बहुत भूख लग रही है'। 'चाची के घर रोटी ना है के छोरी', स्नेहिल डांट के साथ चाची मक्खन रोटी और चटनी खिलाती। रामेश्वर चाचा तो शाम को ही आते थे। 'वंदू चाल बेटी तेरी चाची बुला रही है'। चाचा ,'माँ चाय बना रही है, चाय पी के आऊँगी, सुनो चाचा आप भी पी लो, मेरी माँ चाय बहुत अच्छी बनाती है'। 'चल बेटी , तेरी चाची से मलाई वाली चाय बनवाते हैं, तेरे सहारे मुझे भी मिल जायेगी'। स्कूल के काम करने का समय लोगों के खत लिखने और पढ़ने में बीत जाता था। रात को बिजली नहीं होती थी, बहुत बहुत देर में आती थी। दीये की रोशनी में काम करती तो माँ चिल्लाती, 'अंधी हो जाओगी अंधी, रात रात भर दीया जला कर इन किताबों में सिर खपाओगी तो, दिन में लोगों की सेवा में लगी रहेगी, जैसे इस के सिवा किसी को लिखना पढ़ना आता ही नहीं'। 'मत चिल्लाया कर वंदू की माँ, छोरी अच्छा ही कर रही, कुछ बुरा न कर रही। देख कितनी पूछ है तेरी छोरी की गली में, सारा दिन वंदू वंदू हुई रहवे सै'। बाबा उसे को पुचकार देते।

यूं ही खत लिखती और पढ़ती वंदू बहुत अच्छे नम्बरों से बारहवीं जमात पास कर गई। पड़ोस की बीना मौसी कम उम्र में ही विधवा हो गई थी। उन्होंने अपने भाई के बेटे को गोद ले रखा था। लड़का दो साल पहले ही फौज में भर्ती हो गया था। बीना मौसी भी सारी चिठियाँ वंदू से ही लिखवाती थी। वंदू एक चीज हमेशा नोट करती कि बीना मौसी का बेटा हर खत के अंत में छोटा सा दिल का निशान बना देता है पर उसे तो इन सब से कोई मतलब ही नहीं था। एक बार वो अपनी छत पर कपड़े सूखा रही थी कि बीना मौसी भागती हुई आई, वंदू 'जरा चिठ्ठी पढ़ कर बता तो म्हारे राजेश्वर की लागै है, और कौन चिठ्ठी भेजेगा हमनै,आईए बेटी जरा जल्दी आईए।' 'मौसी आ रही हूँ'। वंदू ने जैसे ही वो पीला लिफाफा खोला, उसमें दिल का निशान बनी एक गुलाबी परची भी थी जिस पर लिखा था। सिर्फ वंदू के लिए, 'मेरे लिए।' ' क्या तेरे लिए छोरी'। 'कुछ नहीं मौसी, मैं तो चिठ्ठी खोल रही थी, इसी पर शायद कुछ लिखा है'। 'अच्छा छोरी पढ़ जल्दी पढ़'। वंदू ने गुलाबी परची अपने आँचल में छिपा ली थी। मौसी को पता भी नहीं चला था। 'कल लिफाफा लेकर आऊँगी, कल जवाब भी लिख देना'।

'जी मौसी'। रात को सब के सोने के बाद वंदू ने वो गुलाबी पर्ची खोली थी। जो सिर्फ उसी के लिए थी, 'मैं तुम्हें बहुत पंसद करता हूँ, पहले दिन से ही, जब से तुम को देखा था। हर बार खत पर अपना दिल भेजता था पर तुमने ध्यान ही नहीं दिया शायद। मैं दो महीने बाद छुट्टी आऊँगा, आते ही तुम्हारे माँ-बाबा के पास माँ को भेज कर तुम्हारा हाथ माँग लूंगा। गर तुम्हें भी मेरी मोहब्बत मंजूर हो तो खत का जवाब दे देना। तुम्हारे जवाब के इंतजार में राजेश्वर'।

वंदू का चेहरा लाल हो गया था। उसे बहुत शर्म आ रही थी, झट से चादर खींचकर चेहरा ढक लिया था। मौसी अगले दिन लिफाफा लेकर आ गई थी, खत लिखवाने के लिए। वंदू ने भी खत पर एक दिल का निशान बना दिया। पन्द्रह दिन बीत गए थे, कोई जवाब नहीं आया था। मौसी से भी नहीं पूछ सकती थी, गर कोई खत आता तो मौसी सीधे उसी के पास आती पहले। आज सोच रही थी कि मौसी के पास जाऊंगी, शायद कुछ पता चले। तभी मां किसी औरत को ये कहती सुनी, बहुत ही बुरा हुआ, सारी उम्र बिता दी बेचारी ने वैराग्य में और अब इस उम्र में इतना बड़ा दुख। 'दुख-सुख की खबर तो लोगों को वंदू से मिलती है, ये कौनसा और किसके दुख का जिक्र कर रही हैं माँ' वंदू मन ही मन बड़बड़ाई। 'क्या हुआ मां'। 'अरी वो तेरी बीना मौसी का छोरा नहीं था वो फौजी, जिस खातर चिठ्ठी लिखवान आया करती वो' 'हां, हां, अभी तो उनकी चिठ्ठी का कोई जवाब ही नहीं आया', मां की बात बीच में ही काट ,वो जल्दी-जल्दी बोल गई थी।

'कैसा जवाब छोरी, वो बेचारा तै बार्डर पे दुश्मन संग लड़ते हुए राम ने प्यारा हो गया'। 'पर मां'! माँ ने शायद उसकी बात सुनी ही नहीं थी, वो तो उस पड़ोसन के साथ बातों में व्यस्त थी। वंदू भागकर कमरे में आ गई थी, उसनें किताब से वो गुलाबी पर्ची निकाल ली, उसके ऊपर बने दिल के निशान पर उसके आंसू बह निकले। 'तुम ने तो मेरा जवाब भी नहीं पढ़ा और वादा खिलाफी भी कर दी। ऐसा क्यों किया तुमने बोलो ना'। आंसुओं से दिल पर लगी स्याही फैल गई थी, रंग भी हल्का पढ़ गया था। मामाजी की एक पहचान के बंदे ने एक सरकारी नौकरी वाला रिश्ता बताया था। मां-बाबा ने भी तुरंत हां कर दी थी।

वंदू भी उस धुंधले दिल को अपने साथ समेटे ससुराल आ गई थी। सब बहुत अच्छा था यहां, पर कभी-कभी वो चुपके से उस धुंधले से दिल में भी झांक लेती । मां-बाबा के पास जब भी जाती, मौसी से जरूर मिलती, मौसी खूब रोती, मौसी को धीरज देते-देते वो भी अपने आंसुओं को बह जाने देती। वक्त कभी रुका है क्या, कभी नहीं, एक जमाना बीत गया है। आंसुओं से भीगे दिल की स्याही वक्त की गर्द से और भी धुंधला गई है। अब चिठ्ठी पत्री सब खत्म हो गई हैं। अब तो वाट्सएप और मैसेंजर का वक्त है। आज वो खुद पचास साल की हो गई है। दोनों बच्चे भी बड़े हो गए हैं। बाबा भी नहीं रहे। मां के पास जब भी जाती मौसी के बारे में बात जरूर करती, अब मौसी भी नहीं रही थी। बच्चों को ये सुनकर बहुत हैरानी होती थी कि उनकी मां तमाम गली के लिए चिठियां लिखती थी।

'कैसे मैनेज करती थी मां आप सब, सुना है आप पढ़ाई में बहुत होशियार थी'। 'अरे बेटा, पता नहीं कैसे हो जाता था सब'। 'अच्छा मम्मी फिर तो आपने पापा को भी बहुत चिठियाँ लिखी होगी क्योंकि आप तो ख़त-ओ-किताबत में माहिर थी' बेटी ने हँसते हुए कहा था।

'कैसी चिठ्ठी बेटा, हमारी तो दस दिन के अंदर ही शादी तय हो गई थी' पति ने हँसते हुए कहा था। बेटा और बेटी भी हंसते हुए बाहर निकल गए। वंदू, बच्चे एक बात तो ठीक कहते हैं, तुम इतनी बड़ी और व्यस्त पत्र लेखिका रही, परन्तु तुमने कभी चंद शब्द भी नहीं लिखे मेरे लिए'।

'आप भी बच्चों की बातों से बच्चे ही बन गए, मैं आपके लिए चाय लेकर आती हूँ' चाय बनाते समय उसने भरे मन से कुछ सोच लिया था। सुबह पितृपक्ष का आखिरी श्राद्ध है, कहते हैं इस दिन सभी भूले बिसरों का श्राद्ध होता है।

पचास साल की हो गई हूँ, जीवन का क्या भरोसा। ये काम भी कर देना चाहिए। सुबह जल्द उठकर अपनी पारिवारिक रस्मों को निभाया, और फिर एक छोटा सा पर्स अपने बड़े बैग में रखा और मंदिर चली गई। उस वक्त मंदिर में कोई भी नहीं था। वृन्दा ने छोटे से पर्स में से गुलाबी रंग की परची बाहर निकाली। आखरी बार पढ़ा और हाथ जोड़ दिए। 'राजेश्वर मैं तुम्हें और खुद को इन अनछुए अहसासों से मुक्त करती हूँ, तुम जहाँ भी हो खुश रहो' और उसने उस दिल की धुंधली स्याही को शिवजी के चरणों के जल से बिल्कुल साफ कर दिया और अपने आंसुओं की नमी से उसका तर्पण भी कर दिया।

कविता

मनोज कुमार

मेरी बेटी

मेरी बेटीआज एक बेटी की बाबुल के घर से सदा के लिए विदाई हो रही थी,
उसके अपने घर की दहलीज पराई हो रही थी,

हर किसी आंख से बह रही थी आंसू की धार,
माँ छुपा आंसुओं को कर रही थी बेटी का लाड़ दुलार,

इतने नाज लाड़ से पाली उस कोख की जाई को,
आज सदा के लिए हो जाएगी पराई जैसे चुकाई हो कोई उधार,

बाप की आंखों से भी आंसू रुक नहीं पाए,
बेटी को देते आशीष नीर बेहताशा आंखों से निकल आए,

खुशी के पल के बाद हो गया गमगीन सारा कुनबा परिवार,

छोटे भाई, बहन और सखियां भी रो–रो के दे रहे थे उसे विदाई,
उसे लड़की के मन में उठी टीस की वो हो गई आज पराई,

बचपन में खेलती थी भाई बहनों के साथ करती मां लाड़–दुलार,
सखियां भी आती गुड़िया खेलने जब होता छुट्टी वाला रविवार,

आज उसकी विदाई से रो रहे थे घर की खिड़कियां और मुख्यद्वार,
सर्दियों में पढ़ने के लिए उन खिड़कियों में रखती किताबें और लगाती कापियों की कतार,

गाड़ी आई और बिठा दिया बेटी को चल पड़ी गाड़ी जो खड़ी थी सज-धज कर तैयार,
चल पड़ी बेटी अपने जीवन के नए अध्याय को शुरू करने,

मां बाप ने पोंछा आंसुओं को क्योंकि अब बारी-बारी मेहमानों की भी विदाई हो रही थी,
आज एक लड़की के घर की दहलीज हमेशा के लिए पराई हो रही थी।

कविता

शिव 'बलाहा'

तुम

तुम
इसलिए तुम हो
कि लड़कर, टूटकर
फिर तत्पर हो
लड़ने को।

तुम
इसलिए तुम हो
कि गिरकर, संभलकर
फिर खड़ी हो
चढ़ने को।

तुम
इसलिए तुम हो
कि मचलकर नीड़ से
फिर चहकी हो
बढ़ने को।

तुम
इसलिए तुम हो
कि होड़ में, दौड़ में
मुक़ाबिल हो
अड़ने को।

मुक्तक

वीरेंद्र मधुर

कविताएं लिखते रहे

कविताएं लिखते रहे पर गाया नहीं,
गीत गाने का सलीका आया नहीं।

हम उलझ कर रह गए किताबों
में,उनको पढ़ने का समय पाया नहीं।

जल उठी हैं धमनियां संचार करते,
खून का रिश्ता सही निभाया नहीं।

कुछ लिखी ग़ज़लें रूबाई और नज़्म,
शब्द ने शब्दों को घर बुलाया नहीं।

भेद का मंथन किया तो भटके फिरे,
आदमी ने अपना रूप घटाया नहीं।

अभिमान के पर्वे चिपक कर रह गए,
मन से घृणा का कचरा हटाया नहीं।

बच्चे बूढ़े रोगी को खुशियां परोसे,
इंसान ने यह भार क्यों उठाया नहीं।

लिख दिया मधुर अंधेरा दूर होगा,
प्यार का दीपक कोई जलाया नहीं।

नौरंगीलाल अपनी पार्टी में

व्यंग्य

डॉ. मधुकांत

ज ब वह पहली बार इस स्कूल में आया था तब उसका नाम सम्मान के साथ मास्टर नौरंगीलाल जी संबोधित किया जाता था। कुछ दिनों बाद सब उनको स्कूल में मास्टर नौरंगी कहने लगे। सेवानिवृत्ति के बाद तो वह मात्र नौरंगी ही रह गया। उस दिन भोजन के बाद वह अपने बिस्तर पर जा रहा था कि अचानक फोन की घंटी बजी। बिना नाम के फोन को वह कम ही उठतो हैं परंतु जब दूसरी बार घंटी बजी तो उन्होंने फोन उठा लिया, 'हेलो ?" "जी, मैं आपका शिष्य रमेश बोल रहा हूं। आप तो मुझे भूल ही गए होंगे परंतु "कहिए, क्या काम है.. ? नौरंगीलाल ने बीच में बात को काट दिया। "सर, कल हम आपको सम्मानित करने के लिए आ रहे हैं।" "किस बात के लिए-" नौरंगी आश्चर्य से भर गए। "सर, आप इतने श्रेष्ठ अध्यापक रहे हैं। पूरे कस्बे में आपकी प्रतिष्ठा है। इसलिए हम पांचों मित्र सुबह 10:00 बजे आपके घर आपको सम्मानित करने के लिए आ रहे हैं"- कहते-कहते उसने फोन काट दिया।

नौरंगी भौचक्के से रह गए। यह कैसा सम्मान है? मेरा सम्मान और वह भी मेरे ही घर में, कल 10:00 बजे.. सोचकर बिस्तर पर जाने की बजाय वे वापस बैठक में आ गए। सब सामान को व्यवस्थित करने लगे। देर होने लगी तो कुछ काम सुबह के लिए छोड़कर वापस बिस्तर पर आ गए। सोने का उपक्रम करने लगे परंतु दिमाग उधेड़बुन में ही उलझा रहा। सुबह-सवेरे आंख जल्दी खुल गई। बैठक की साफ-सफाई करते, स्नान ध्यान करते, बाजार से दूध नाश्ते का सामान लाते 9:30 बज गए। आज उन्होंने पहले से अधिक उजला व प्रेस किया हुआ कुर्ता पहना था।

> **सांझ ढलते-ढलते ब्रेकिंग न्यूज़ बनकर यह समाचार पूरे शहर में आग की भांति फैल गया। पत्रकारों को अपनी बात समझाते-समझाते मास्टर नौरंगी थक गए। सिर दर्द से भन्नाने लगा। क्रोध से उसने अपना फोन बंद कर दिया और घर का दरवाजा बंद करवाकर, पड़ोसी से बाहर गेट पर ताला लगवा दिया।**

उन पांचों ने बैठक में प्रवेश किया तो नारंगी लाल ने देखा कि वह उनसे भी अधिक उजले और खदर के कुर्ते पहने हुए थे। पांचों ने अपना परिचय दिया और स्कूल से जुड़ी यादों को ताजा करते रहे। इस बीच चाय भी पी ली गई। चुनाव के दिन थे, चर्चा के बीच रमेश ने पार्टी नंबर एक की प्रशंसा करनी चाही परंतु नौरंगी की उपेक्षा को देखकर उन्होंने विषय बदल दिया। नौरंगीलाल ने अनुमान लगा लिया था कि रमेश के हाथ में जो थैला है संभव है उसी में सम्मान करने का सामान होगा। गली के बाहर चहल-पहल, माइक की आवाज बढ़ रही थी, तभी उन पांचों ने खड़े होकर गुरु नौरंगी लाल को भी अपने साथ खड़ा कर लिया। बारी-बारी शाल पहनाकर, फटका पहनाकर, माला पहनाकर और श्रीफल देकर वे सम्मानित करने लगे, तभी चुनावी पार्टी नंबर एक का जुलूस उनके घर में घुस आया और उनके गले में अपनी पार्टी का उत्तरीय पहनाकर, पार्टी के झंडे लगाकर, मास्टर नौरंगी लाल का अभिनंदन कर दिया। दो मिनट में ही सब गले मिलते, मिठाई खिलाते, ढोल नगाड़ों के साथ बाहर निकल गए।

नौरंगी हतप्रभ था कि यह शिष्यों द्वारा गुरु का कैसा अभिनंदन है और जाते-जाते एक पार्टी कार्यकर्ता की घोषणा- 'लो जी, आज से मास्टर नौरंगीलाल जी ने भी हमारी पार्टी ज्वाइन कर ली। अब तो हमारी जीत पक्की समझो।' नारंगीलाल तभी समझ गया कि उसके साथ राजनीतिक षड्यंत्र हुआ है। कभी द्रोणाचार्य ने गुरु दक्षिणा में शिष्य से उसका अंगूठा मांगा था और आज इस कलयुग में शिष्य हमसे कैसी शिष्य दक्षिणा मांगकर ले गया। दोपहर होते-होते दूरदर्शन पर, संध्या समाचार पत्र में, वीडियो, फेसबुक, व्हाट्सएप पर वायरल हो गया कि मास्टर नौरंगीलाल ने पार्टी नंबर एक ज्वाइन कर ली है। नौरंगीलाल के पास फोन पर फोन आने लगे। वह किस-किस को समझता कि मेरे साथ धोखा हुआ है।

पार्टी नंबर दो वाले बीवी के मायके वालों की रिश्तेदारी में थे। बीवी के पास उनका भी फोन आया। लाल-पीली होकर बीवी नौरंगी के सामने डटकर खड़ी हो गई। "आपने पार्टी नंबर एक ज्वाइन कर ली है।"

"अरे नहीं भाग्यवान, उन्होंने मेरे साथ धोखा किया। झूठा बहाना बनाकर, मेरे गले में अपनी पार्टी की नकेल डालकर चले गए।"

"तो मीडिया को सच बता दो कि मुझे धोखा दिया गया है।" ये संवाद चल ही रहे थे कि देखते-देखते पार्टी नंबर दो के कार्यकर्ताओं का झुंड उनके घर में आ घुसा। मुझे पार्टी नंबर दो का फटका पहन कर बीवी के नेतृत्व में मुझसे बुलवाया गया- "पार्टी नंबर एक वालों ने मेरे साथ षड्यंत्र करके अपनी पार्टी में सम्मिलित किया है। सच में पार्टी नंबर दो को ही मैं अपनी पार्टी मानता हूं।" सांझ ढलते-ढलते ब्रेकिंग न्यूज़ बनकर यह समाचार पूरे शहर में आग की भांति फैल गया।

पत्रकारों को अपनी बात समझाते-समझाते मास्टर नौरंगी थक गए। सिर दर्द से भन्नाने लगा। क्रोध से उसने अपना फोन बंद कर दिया और घर का दरवाजा बंद करवाकर, पड़ोसी से बाहर गेट पर ताला लगवा दिया। रातभर प्रेस में नौरंगी लाल के गुम होने का समाचार घूमता रहा। पार्टी नंबर एक अब पार्टी नंबर दो पर और पार्टी नंबर दो पार्टी नंबर एक पर नौरंगीलाल को किडनैप करने का दोष लगा रहे थे। केवल शक ही नहीं, दोनों पार्टियों ने मास्टर नौरंगीलाल की थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी लिखवा दी।

सशक्त लेखन की बानगी है 'पतरस के मजामीन'

पुस्तक : पतरस के मज़ामीन
लेखक : अहमद शाह बुख़ारी
प्रकाशक : सेठी परिवार की ओर से

पुस्तक समीक्षा

अरुण कुमार कैहरबा

आ पतरस के नाम से विख्यात अहमद शाह बुख़ारी उर्दू व्यंग्य के बेहद मकबूल रचनाकार हैं। एस.के.सेठी और रमणीक मोहन ने उनकी 1927 में पहली बार प्रकाशित हुई किताब को हिन्दी के पाठकों तक पहुंचाने का बहुत सराहनीय काम किया है। 'पतरस के मज़ामीन' में संकलित 11 व्यंग्य उनके सशक्त लेखन की शानदार बानगी हैं। इनमें होस्टल में पडना, सवेरे जो कल आँख मेरी खुली, कुत्ते, उर्दू की आख़िरी किताब, मैं एक मियाँ हूँ, मुरीदपुर का पीर, अंजाम बख़ैर, सिनेमा का इश्क, मेबेल और मैं, मरहूम की याद में, लाहौर का जुग्राफिया शामिल हैं।यह किताब उर्दू हास्य- व्यंग्य के इतिहास में मील का पत्थर मानी गई है। उर्दू की किताब को हिन्दी पाठकों तक ले जाने के लिए रमणीक मोहन और एसके सेठी ने किताब का अनुवाद नहीं किया, बल्कि लिप्यंतरण का जटिल व महत्वपूर्ण काम किया है। लिप्यंतरण के साथ ही उर्दू के कठिन अल्फाजों के साथ ही कोष्ठक में हिन्दी अर्थ भी लिख दिए हैं। इससे लिप्यंतरणकारों ने एक तरह से उर्दू के लेखन को उसके मूलरूप में हिन्दी पाठकों तक पहुंचाया है। यह हिन्दी और उर्दू को नजदीक लाने के जरिये भाषिक व साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ाने का भी कार्य है। पता चलता है कि लिप्यंतरणकारों को दोनों भाषाओं व फारसी-नस्तालिक तथा देवनागरी का अच्छा ज्ञान है। पतरस के हास्य-व्यंग्यों की बात करें तो यह विश्व साहित्य में कमाल का लेखन है। बहुत ही सहजता के साथ पतरस अपने विषय को कथात्मक शैली में आगे बढ़ाते हैं और व्यंग्य का पूरा एक माहौल सृजित करते हैं। इसमें पाठक हंसी के फव्वारों में नहाता जाता है। वे साधारण जीवन दृश्यों को बेहद चतुराई से हास्य में तब्दील करने के माहिर हैं। किताब का पहला व्यंग्य- 'होस्टल में पडना' विद्यार्थी की लाहौर के कॉलेज में पढ़ते हुए होस्टल में रहने की इच्छाओं पर केन्द्रित है। उनका निबंध 'कुत्ते' में कुत्तों का जो विवरण उन्होंने दिया है, वह पाठकों को अपने अनुभवों से जोड़ते हुए हास्य का सृजन करता है। 'मुरीदपुर का पीर' में एक लेखक व वक्ता के महिमामंडन और उसके वक्तव्य की हास्यास्पद परिणति को अद्भुत ढ़ंग से चित्रित करता है। पतरस के व्यंग्य सीधे तौर पर प्रहार करने की बजाय संवेदनशील ढ़ंग से हल्का-फुल्का हास्य पैदा करते हैं। उनके लेख सिर्फ़ हास्य-उत्पन्न करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि उनमें पाठक अचानक उस हास्य के पीछे छिपी गंभीर वास्तविकता को भी महसूस करता है। यही उनकी लेखनी की वास्तविक ताकत है।

मंदिर परिसर में चला सफाई अभियान, प्रशासन मुस्तैद

मां भीमेश्वरी देवी नवरात्र मेला आज से, सभी तैयारियां पूरी

एसडीएम ने रविवार को माता भीमेश्वरी देवी मंदिर में नवरात्र मेला की तैयारियों का जायजा लिया

सप्तमी व अष्टमी को मां के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ती है भारी भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेरी

धर्मनगरी बेरी स्थित मां भीमेश्वरी देवी मंदिर में शारदीय नवरात्र लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। एसडीएम रेणुका नांदल ने रविवार को माता भीमेश्वरी देवी मंदिर में नवरात्र मेला की तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बताया कि दुर्गा नवरात्रि मेला सोमवार से पहले नवरात्र से ही शुरू हो गया है जबकि मुख्य मेला 28 से 30 सितंबर को होगा। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर की परिधि में निरंतर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तरह बस स्टैंड, शिव चौक, भागलपुरी चौक, दुजाना चौक, माता के अंदर वाले मंदिर तक रास्तों को साफ-सुथरा बनाया जा रहा है।

बेरी। मेला परिसर में तैयारियों का जायजा लेते हुए एसडीएम रेणुका नांदल। फोटो :हरिभूमि

व्यवस्था को लेकर प्रभावी तरीके से कार्य किए जा रहे

माता के दर्शनार्थ आने वाले श्रद्धालुओं को धर्म नगरी बेरी सुंदर नजर आएगी। उन्होंने कहा कि सप्तमी और अष्टमी के दिन मां भीमेश्वरी देवी के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। जिसके चलते सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी। उन्होंने बताया कि मेला में पार्किंग, सुरक्षा, पीने के पानी, रात्रि के समय रोशनी के इंतजाम, स्वास्थ्य सुविधाएं, अस्थाई शौचालय, सीसीटीवी, एलईडी स्क्रीन,अग्निशमन सेवाएं आदि इंतजामों की व्यवस्था को लेकर प्रभावी तरीके से कार्य किए जा रहे हैं।

बहादुरगढ़। मैच शुरू होने से पहले रेफरी के साथ दोनों टीमों की खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

प्रतियोगिता में जींद, रोहतक, झज्जर, बहादुरगढ़ की आठ टीमें भाग ले रही

लोवा खुर्द, भाली, माछरौली व जींद ने जीते फुटबॉल मुकाबले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव लोवा खुर्द में रविवार को अंडर-16 गर्ल्स फुटबॉल लीग शुरू हो गई। लोवा खुर्द, माछरौली, भाली और जींद की टीमों ने अपने पहले मुकाबले में एक तरफा जीत दर्ज की। प्रतियोगिता में जींद, रोहतक, झज्जर, बहादुरगढ़ की आठ टीमें भाग ले रही हैं। लीग के मुख्य अतिथि सीआईआई के सीएसआर हेड सुनील मिश्रा रहे। जबकि हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के उपप्रधान अनिल खत्री, कुश्ती संघ के महासचिव डॉ. राकेश सांगवान, साईं पटियाला से चीफ कोच रोहित पाराशर व इंस्पेक्टर सतीश कुमार विशिष्ट अतिथि रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का परिचय लेकर मुकाबले शुरू कराए। लीग के पहले मैच में लोवा खुर्द ने सिटी बहादुरगढ़ क्लब को 10-0 के अंतर से हरा दिया। दूसरे मैच में माछरौली ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए जसोर पर 16-0 के अंतर से जीत दर्ज की। तीसरे मैच में आर्य जींद ने खेड़ी टीम को 3-0 के अंतर से हराया। चौथे मैच में भाली टीम ने झज्जर टीम को 3-0 से हराया।

खिलाड़ियों को ड्रेस दी गई

फिजियो डॉ. मोनिका, अरूप दास जोश ट्रस्टी, पूनम दीक्षित सीआईआई स्पोर्ट्स, विनोद जून प्रधान, सचिव सुरेश जून, अवधेश, डॉ. कुलदीप, कोच मंगत राम, जयवीर, विनय, कोच सुदर्शन सिंह, नरेश कुमार प्रधान, ललित, विशाल जून, बीजे, लाला मास्टर, प्रदीप आदि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। लीग में भाग लेने वाली सभी खिलाड़ियों को ड्रेस दी गई। कोच सुदर्शन ने बताया कि लीग का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को निखारना है, उन्हें बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार करना है।

बहादुरगढ़ में 70 व मांडोठी में 50 ने किया रक्तदान

- सेवा पखवाड़े के जिला संयोजक दिनेश कौशिक ने रक्तदाओं को बैज लगाकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शुरू हुए सेवा पखवाड़े के तहत रविवार को अटल मंडल की ओर से महाराजा अग्रसेन धर्मशाला में रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 70 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। वहीं, मांडोठी गांव में लगे कैंप में 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। रक्त संग्रह का कार्य ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल की ब्लड बैंक टीम द्वारा किया गया। मंडल अध्यक्ष पंकज गर्ग व मंडल संयोजक नकुल चोपड़ा ने दिनेश कौशिक समेत सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के जिला संयोजक दिनेश कौशिक ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। यह रक्त किसी आपात स्थिति में दूसरे व्यक्ति की जीवन रक्षा कर सकता है। यह कार्यक्रम समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प है। भाजपा का उद्देश्य हमेशा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाना है। मांडोठी गांव में भी रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मांडोठी मंडल अध्यक्ष महावीर दलाल की अगुवाई में लगे शिविर में 50 लोगों ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। इस दौरान परमिंद्र जांगड़ा, ऋषि भारद्वाज, प्रवीन सिंगल, अमित जून व कृष्ण आसौदा आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। रक्तदान करते पंकज गर्ग को प्रोत्साहित करते दिनेश कौशिक।

छोटूराम नगर में जांचा 453 लोगों का स्वास्थ्य

- डॉ. संजय मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की टीम ने जलभराव प्रभावितों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के जलप्रभावित क्षेत्र छोटूराम नगर में डा. संजय मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की ओर से रविवार को निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इस शिविर में अस्पताल के डॉक्टरों की टीम द्वारा 453 लोगों की जांच की गई और दवाइयां भी निःशुल्क वितरित की गई। उन्हें जलजनित व संक्रामक बीमारियों से बचाव को लेकर जागरूक भी किया गया। साथ ही स्वच्छता के साथ-साथ खानपान को लेकर भी विशेष ध्यान देने के प्रेरित किया। पार्षद प्रतिनिधि हरिमोहन धाकरे ने बताया कि छोटूराम नगर का बड़ा हिस्सा मुंगेशपुर ड्रेन के ओवरफ्लो व कटाव के चलते जलप्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य की जांच के लिए डा. संजय अस्पताल की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जा रहे हैं। रविवार को लगे निःशुल्क जांच शिविर में अस्पताल के निदेशक डा. संजय सिंह के नेतृत्व में डा. रमेश, डा. तरुणा, डा. रोहित, डा. अविनाश शुक्ला, अनुराधा, प्रियंका, किरण, कीर्ति, पूजा, शशि कुमार व कर्मबीर आदि ने अपनी सेवाएं दी। डा. संजय सिंह समेत पूरी टीम ने हर बीमारी से बचाव को लेकर लोगों को जागरूक भी किया। इस मौके पर रमेश राठी, सुशील राठी, कृष्ण प्रसाद, हीरालाल, नवल किशोर, योगेश, विनोद सिंह, भोला प्रसाद, सुरेश प्रसाद, अनिल रविदास व जयराम आदि मौजूद थे।

बहादुरगढ़। छोटूराम नगर में लगे कैंप में लोगों की जांच करते चिकित्सक।

झज्जर। बैठक में उपस्थित नंबरदार एसोसिएशन के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

लंबित मांगों व समस्याओं पर नंबरदारों की चर्चा

झज्जर। नंबरदार एसोसिएशन द्वारा रविवार को एसोसिएशन के जिला प्रधान कपूर गोदारा की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नंबरदारों की समस्याओं व मांगों पर चर्चा की गई। जिला प्रधान ने विभिन्न लंबित मांगों का जिक्र करते हुए उन्हें पूरी कराने के लिए सीएम नायब सिंह सैनी से भी मुलाकात करने पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में नए नंबरदारों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करना, नंबरदारों के मानदेय में वृद्धि करना शामिल है। इसके अलावा भी विभिन्न समस्याओं व मुद्दों पर चर्चा की गई। इस मौके पर देशवाल खाप के प्रधान उमेद देशवाल ने भी मुख्य रूप से शिरकत की।

25 सितंबर को लॉन्च होगी दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना, तैयारी पूरी

झज्जर। हरियाणा सरकार की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा और सम्मान को ध्यान में रखते हुए, महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से प्रदेशभर में दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना मोबाइल एप्लीकेशन लागू करने का निर्णय लिया गया है। यह योजना आगामी 25 सितंबर से झज्जर सहित सभी जिलों में लागू की जाएगी। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने रविवार को योजना के सफल क्रियान्वयन तथा जिला व उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर को स्थानीय नागरिक अस्पताल में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम में खाद्य नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता मामले मंत्री राजेश नागर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए डीसी स्वप्निल रवींद्र पाटिल। फोटो :हरिभूमि

पूर्व सैनिकों ने उठाई आर्थिक सहायता बढ़ाने व मातनहेल में सैनिक स्कूल बनाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पूर्व सैनिक संघ द्वारा मातनहेल के कम्युनिटी सेंटर में एक ब्लॉक स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पूर्व सैनिकों ने विभिन्न समस्याओं व लंबित मांगों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में सूबेदार श्रद्धानंद ने कहा कि 60 वर्ष की आयु पार कर चुके पूर्व सैनिक जो किसी कारणवश पेंशन का लाभ नहीं ले पा रहे उन्हें सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दी जाती है। लेकिन पिछले करीब 15 वर्षों से इसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह इस राशि को बढ़ाकर कम से कम 75सौ रुपये प्रतिमाह करे। इसके साथ ही क्षेत्रवासियों की 40 वर्षों से लंबित मातनहेल में सैनिक स्कूल बनाने की मांग को एक बार फिर जोर-शोर से उठाया गया।

झज्जर। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए पूर्व सैनिक। फोटो:हरिभूमि

ये मौजूद रहे

इस मौके पर सूबेदार सत्यप्रकाश, सूबेदार धर्मवीर, कैप्टन बिजेंद्र सिंह, कैप्टन जगपाल, सूबेदार मेजर धर्मपाल, सूबेदार मेजर महेंद्र सिंह, सूबेदार मेजर जगदीश चंद्र, सूबेदार मेजर जयभगवान, नायब सूबेदार जयभगवान, नायब सूबेदार विजय, हवलदार श्रीभगवान, हवलदार जयप्रकाश, हवलदार बलवान, हवलदार जगदीश चंद्र, हवलदार जोगिंद्र सिंह सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बैठक में आगामी महीने होने वाले डेलीगेट चुनाव को लेकर भी चर्चा की गई

वक्ताओं ने कहा कि दो-दो बार आधारशिला रखने के बावजूद न तो राज्य सरकार और न ही केंद्र सरकार ने इस मामले में कोई ठोस कदम उठाया है। इससे लोगों में आक्रोश है और क्षेत्रवासी इसे वायदा खिलाफी मान रहे हैं। पूर्व सैनिकों ने कहा कि सरकार को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना होगा। बैठक में आगामी महीने होने वाले डेलीगेट चुनाव को लेकर भी चर्चा की गई।

सीपी स्टार स्कॉलरशिप टेस्ट में 1800 विद्यार्थियों ने दिया पेपर

झज्जर। करियर प्वाइंट संस्था द्वारा रविवार को सीपी स्टार स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। इस टेस्ट में सातवीं से दसवीं तथा जेईई और नीट परीक्षा की तैयारी करने वाले ग्यारहवीं व बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया। टेस्ट का उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना रहा। इस परीक्षा में 1800 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। अपने बच्चों को टेस्ट दिलाने आए अभिभावकों का कहना रहा कि इस प्रकार की परीक्षाएं बच्चों को न केवल प्रतिस्पर्धा के माहौल से परिचित कराती हैं बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाती हैं। टेस्ट के दौरान करियर प्वाइंट कोटा हेड ब्रांच से साक्षी शर्मा ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें आगामी समय में शिक्षा एवं करियर विकल्पों के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। संस्थान के निदेशक मंडल ने बताया कि सीपी स्टार टेस्ट के माध्यम से योग्य विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जाएगी, जिससे उन्हें उच्च गुणवत्ता की शिक्षा किफायती दरों पर उपलब्ध हो सके।

विद्यार्थियों को दिलाई नशा न करने की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग, हरियाणा के तत्वावधान में रविवार को सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आईटीआई झज्जर एट गुढ़ा में नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईटीआई के अधीक्षक राजकंवर अहलावत ने की। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे जैसी बीमारी से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी खुद भी नशा न करें और दूसरों को भी नशा नहीं करने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर संस्थान में विद्यार्थियों को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई गई। आईटीआई झज्जर एट गुढ़ा महिला विंग इंचार्ज सत्यवती ने बताया कि नशा, नाश का आधार है। जिससे हमारे पारिवारिक, आर्थिक, शारीरिक और मानसिक नुकसान होते हैं।

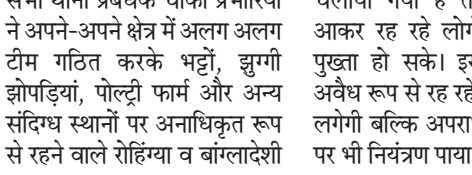

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अधीक्षक राजकंवर अहलावत।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया जा रहा संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिले में चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम तथा हरियाणा शहरी स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न विभागों के माध्यम से गतिविधियां आयोजित की जा रही है।

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि सभी विभागों की ओर से स्वच्छता पर फोकस रखते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नप झज्जर, बहादुरगढ़ व नपा बेरी द्वारा शहर में साफ सफाई के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए शहरी क्षेत्र को स्वच्छ बनाया जा रहा है। अभियान से जुड़ी नेहा गुलिया ने बताया कि उनकी टीम द्वारा नगर परिषद झज्जर के साथ मिलकर द्वारा इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्कूलों में विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ वार्डों में नोडल अधिकारियों द्वारा शहरवासियों को भी शहर को स्वच्छ बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसमें लोगों को गलियों में कूड़ा उठान प्रक्रिया, कूड़े करकट के ढेर को साफ करने, आमजन को पॉलिथीन का उपयोग न करने की भी सलाह दी जा रही है।

आमजन को पॉलिथीन का उपयोग न करने की भी सलाह दी

झज्जर। शहर के शहीद भगत सिंह चौक पर नाला निर्माण कार्य में जुटे श्रमिक। फोटो :हरिभूमि

पुलिस ने ईंट भट्ठों सहित जिले के संवेदनशील स्थानों को खंगाला, दस्तावेज किए चेक

बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए चलाया सर्च अभियान

इससे न केवल अवैध रूप से रह रहे लोगों पर रोक लगेगी बल्कि अपराधी गतिविधियों पर भी नियंत्रण पाया जा सकेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिले में अनाधिकृत रूप से रह रहे रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए जिला पुलिस द्वारा विशेष सर्च अभियान चलाया गया है। जिसके तहत रविवार को सभी थाना प्रबंधक चौकी प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में अलग अलग टीम गठित करके भट्ठों, झुग्गी झोपड़ियां, पोल्ट्री फार्म और अन्य संदिग्ध स्थानों पर अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए एक विशेष सर्च अभियान चलाया। पुलिस टीम ने यहां पर रह रहे बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी ली। पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह ने कहा कि जिले की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह अभियान चलाया गया है ताकि बाहर से आकर रह रहे लोगों की पहचान पुख्ता हो सके। इससे न केवल अवैध रूप से रह रहे लोगों पर रोक लगेगी बल्कि अपराधी गतिविधियों पर भी नियंत्रण पाया जा सकेगा।

झज्जर। झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के दस्तावेजों की जांच करते हुए पुलिसकर्मी।

335 बांग्लादेशियों को वापस भेजा जा चुका

उन्होंने बताया कि अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। जिला पुलिस द्वारा बाहरी लोगों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है। सभी थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्र में सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार अप्रवासी रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करके उनको वापिस भेजने की प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी। इससे पहले भी जिले से 335 बांग्लादेशियों को वापस भेजा जा चुका है।

मांडोठी, लोवा खुर्द में नशामुक्ति का संदेश दिया

बहादुरगढ़। ग्रामीणों से चर्चा करते इंस्पेक्टर सतीश कुमार। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। निरीक्षक सतीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गांव लोवा खुर्द और मांडोठी में नशामुक्ति का संदेश दिया। ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव बताए गए। लोवा खुर्द में खिलाड़ियों और मांडोठी में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए टीम ने बताया कि नशा एक गंभीर बीमारी है, जिससे खिलाड़ी और आमजन दोनों को दूर रहना चाहिए। निरीक्षक सतीश कुमार ने कहा कि खिलाड़ी का पूरा ध्यान मेहनत और अनुशासन पर होना चाहिए। खेलों में बेहतर प्रदर्शन से न केवल परिवार बल्कि समाज और देश को भी गर्व होता है। इसलिए पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी सक्रिय रहकर नशे जैसी बुराई से बचना जरूरी है। इस मौके पर लोगों को हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508, 1933 और मानस ऑनलाइन पोर्टल पर नशे से संबंधित गुप्त सूचनाएं साझा करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नशा न करने और न किसी को करने देने की शपथ भी ली।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। कार्यकर्ताओं के साथ पौधा लगाते भाजयुमो उपाध्यक्ष नवीन बंटी।

पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बहादुरगढ़। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने सेवा पखवाड़े के तहत एक पेड़ मां के नाम लगाया। उन्होंने आमजन से अनुरोध किया कि वे भी ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर वातावरण को हरा-भरा बनाने में सहयोग करें। नवीन बंटी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम की शुरुआत की थी और उस कार्यक्रम के बाद से लेकर आज तक देश में करोड़ों की संख्या में पेड़ लगाए जा चुके हैं।

रेलवे स्टेशन के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

बहादुरगढ़। इलाके में वाहनों की चोरी नहीं थम रही। अब रेलवे स्टेशन के बाहर से बाइक चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। महेंद्रगढ़ के निवासी दीपक कुमार का कहना है कि वह यहां फिलहाल नयागांव के निकट स्थित गोशाला में रह रहा है। अभी कुछ दिन पहले अपनी मां को छोड़ने ट्रेन के जरिये रोहतक गया था। बाइक बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ी की थी। रात को पौने 9 बजे आया तो बाइक नहीं मिली। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया।

राजकीय आईटीआई में किया जागरूक

बहादुरगढ़। रविवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बहादुरगढ़ में नशामुक्त भारत अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानाचार्या गीता आर सिंह ने कहा कि युवा देश का भविष्य है और इन्हें नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन जीना चाहिए। सत्येंद्र दहिया ने छात्रों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए शपथ दिलवाई। इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने सरकार द्वारा चलाई जाने वाली योजनाओं की जानकारी दी।

बुधवार सुबह साइकिल लेकर घर से निकला था बच्चा

मुंगेशपुर ड्रेन में पांचवें दिन मिला बच्चे का शव

परिजनों और आसपास के लोगों ने ड्रेन में तलाश की तो आनंद की साइकिल मिली

■ घटनास्थल से करीब साढ़े सात किलोमीटर दूर झाड़ोदा में ड्रेन किनारे अटका हुआ था शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। शव को पानी से निकालती एसडीआरफ टीम और मौके पर मौजूद पुलिस, फोरेंसिक टीम व परिजन। फोटो : हरिभूमि

बुधवार से लापता बच्चे का शव पांचवें दिन मुंगेशपुर ड्रेन से बरामद हो गया। शव करीब साढ़े सात किलोमीटर दिल्ली के झाड़ोदा इलाके में मिला है और फोरेंसिक जांच के बाद पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में रखवा दिया गया है।

दरअसल, यूपी के गाजीपुर मूल का सुनील यहां लाइनपार के अशोक विहार में रहता है। सुनील का दस वर्षीय बेटा आनंद बुधवार की सुबह साइकिल लेकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं आया। इसके बाद परिजनों ने तलाश शुरू की। देर शाम को परिजन इस्कोन मंदिर के पास ड्रेन पर पहुंचे। वहां पड़ोस में रहने वाली एक महिला ने बताया कि उसने सुबह ड्रेन में कुछ गिरता दिखा था। इसके बाद परिजनों और आसपास के लोगों ने ड्रेन में तलाश की तो आनंद की साइकिल बरामद हुई। तब से पुलिस, एसडीआरएफ और गोताखोर टीम सर्च अभियान चला रही थी। जांच अधिकारी सुभाष गिल ने कहा कि पांच दिन से सर्च अभियान चल रहा था। अब शव बरामद हुआ है।

हर रोज खंगाली ड्रेन

हर रोज सुबह से शाम नाव चलाकर ड्रेन खंगाली गई। आखिरकार रविवार की दोपहर घटनास्थल से करीब साढ़े सात किलोमीटर दूर दिल्ली के झाड़ोदा से गुजर रही मुंगेशपुर ड्रेन से शव बरामद हो गया। शव को पानी से बाहर निकाला गया और जांच के लिए फोरेंसिक टीम बुलाई। फिलहाल लाइनपार पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। परिजनों के बयान के बाद पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराएगी। संभवतः दुर्घटनावश साइकिल चलाते वक्त आनंद ड्रेन में डूबा होगा, बाकी असल खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा।

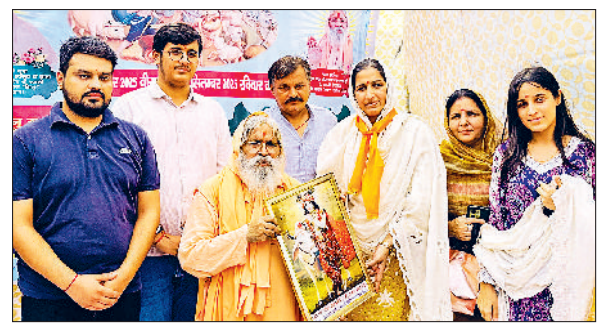

बहादुरगढ़। चेयरपर्सन सरोज राठी को स्मृति चिह्न भेंट करते डॉ. स्वामी दिव्यानंद जी महाराज। फोटो : हरिभूमि

गौ उपचार केंद्र का 10वां वार्षिक उत्सव संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

सेठ रामवतार गोयल गौ एवं वन्य जीव उपचार सेवा केंद्र का दसवां वार्षिक उत्सव रविवार को श्रद्धा और सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नप चेयरपर्सन सरोज राठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

उन्होंने गोसेवा को संस्कृति का मूल बताते हुए इसे जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।रविवार को समापन समारोह में असंख्य गोसेवकों ने भाग लिया। डॉ. स्वामी दिव्यानंद जी महाराज ने कहा कि सत्कर्म, गो-गोपाल सेवा और परमार्थ प्रयोजन में व्यतीत जीवन के क्षण ही सार्थक हैं। गाय की सेवा भी सत्कर्म के रूप में एक यज्ञ की भांति होनी चाहिए। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत रूप से पूजन एवं गौदान से हुई। सरोज राठी ने स्वयं गौदान किया और डॉ. स्वामी दिव्यानंद भिक्षु महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने घायल और बेसहारा जीवों की सेवा में जुटे केंद्र के कार्यों की सराहना की।

इन्होंने लिया आशीर्वाद

गोदान के रूप में जगदीश अग्रवाल, पंकज सेठी, अमन गोयल, आदित्य गोयल, दीपक बजाज, अजय जैन, प्रदीप यादव, अजय गर्ग, प्रदीप तायल, अजय मितल, मनोज कुमार, राकेश भारद्वाज, अमित ढुआ, ओम विपुल, मंजुल खट्टर, तिलक राज, धर्मवीर हुड्डा, अरूण केजरीवाल ने भी सेवा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कुश्ती में भूमित और नमन ने स्वर्ण पदक जीत बढ़ाया मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव लोवा खुर्द की देवेंद्र जून कुश्ती अकादमी के पहलवान भूमित ने पानीपत में हुई हरियाणा राज्य स्कूल कुश्ती प्रतियोगिता के अंडर-19 आयुवर्ग और 65 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

इसके अलावा नमन पहलवान ने दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित अंडर-14 आयुवर्ग और 48 किलोग्राम में दिल्ली राज्य कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। दोनों का देवेंद्र पहलवान, कोच बंटी, सरपंच विनोद कुमार, जसबीर जून, विपिन जून, रॉबिन जून, भूरा सिद्दीपुर, संदीप दलाल, भोली जून आदि ने स्वागत किया।

जीत के बाद आर्यन ने लिया मनोहरलाल से आशीर्वाद

■ डूसू प्रधान बनने पर आर्यन मान को बधाई देने के लिए विभिन्न गांवों से पहुंच रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

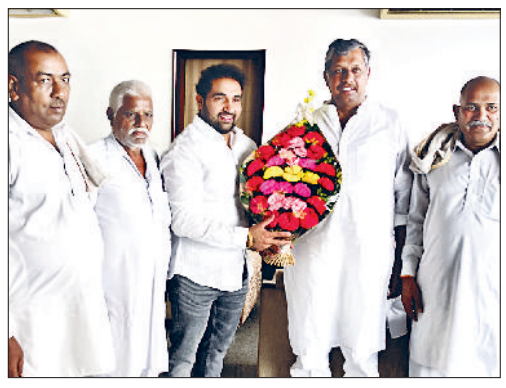

बहादुरगढ़। आर्यन के ताऊ अशोक मान को बधाई देते ग्रामीण और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से आशीर्वाद लेते आर्यन मान। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) के प्रधान बने आर्यन मान ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। इस मौके पर हरियाणा के पूर्व सीएम ने उन्हें छात्र राजनीति में नई जिम्मेदारी को निष्ठा और परिश्रम के साथ निभाने की शुभकामनाएं दीं।

डूसू प्रधान बनने की खुशी में लगातार उनके गांव और आसपास के इलाकों से लोग बधाई देने उनके कार्यालय पहुंच रहे हैं। लोवा सतरह के प्रधान अशोक मान और दलबीर मान उनका स्वागत करते हुए आभार जता रहे हैं। सामाजिक संगठनों, छात्र नेताओं और ग्रामीण प्रतिनिधियों ने भी उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। लोगों का कहना है कि आर्यन मान ने छात्र राजनीति में गांव और इलाके का नाम रोशन किया है और आने वाले समय में वे बड़ी जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभाएंगे। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से आशीर्वाद लेने के बाद आर्यन मान का उत्साह और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि यह अवसर केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं का सम्मान है। आर्यन मान ने कहा कि यह जिम्मेदारी छात्रों के विश्वास और खापों के समर्थन से मिली है। वे छात्र हितों की रक्षा और विश्वविद्यालय में बेहतर शैक्षणिक माहौल बनाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और उनके मुद्दों को सही मंच दिलाना ही उनका लक्ष्य रहेगा।

फिल्म का शीर्षक बदलने की मांग को लेकर अहीर समाज का विरोध जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। विरोध प्रदर्शन में शामिल अहीर संगठन प्रतिनिधि व अन्य।

■ हिंदी फिल्म 120 बहादुर का शीर्षक बदलकर 120 वीर अहीर रखने की मांग को लेकर खेड़की दौला टोल प्लाजा पर किया जा रहा प्रदर्शन

अहीर समाज द्वारा हिंदी फिल्म 120 बहादुर का शीर्षक बदलकर 120 वीर अहीर रखने की मांग को लेकर खेड़की दौला टोल प्लाजा पर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। रविवार को स्थानीय अहीर संगठनों के प्रतिनिधि भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। जिले की ओर से प्रदर्शन में शामिल बिरड़ निवासी कप्तान युद्धवीर सिंह, कप्तान रामौतार, कप्तान रोशन लाल, सूबेदार नरेश, हवलदार राकेश, हवलदार सुनील, हवलदार युद्धवीर, श्रीभगवान, सुंदरहेटी गांव से कप्तान भरत सिंह, ओमप्रकाश, प्रकाश, अमादल गांव से कप्तान कर्ण सिंह व रामभगत ने कहा कि फिल्म को रिलीज करने से पहले शहीदों के परिवारों और समाज के प्रबुद्ध लोगों को दिखाई जाए, ताकि वे फिल्म की सामग्री की समीक्षा कर सकें और आवश्यक सुझाव दे सकें। महापंचायत की संयुक्त अध्यक्षता कर्नल चंदू लाल यादव, अजय यादव, पुष्प शास्त्री और धर्मसिंह नंबरदार ने की।

पूर्व विधायक ने वार्ड-28 में किया श्रमदान

स्वच्छता अभियान दौरान श्रमदान करते पूर्व विधायक नरेश कौशिक।

बहादुरगढ़। सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत रविवार को पूर्व विधायक नरेश कौशिक ने शहर के वार्ड नंबर-28 के अंतर्गत तिकोना पार्क में पार्षद ज्योति पवन रोहिल्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण चंद्र, उमेश सहगल, विशाल बराही, सोनू, श्रवण कौशिक, सतबीर लठवाल, विजय सांगवान, सुजेंद्र हुड्डा, पवन कुमार, मोनू, विजय कुमार, अमित वत्स, सुरेश कालरा, कृष्ण कुमार शर्मा, सुभाष, अमित गुप्ता, पवन कुमार आदि ने साफ-सफाई करते हुए श्रमदान किया। साथ ही पर्यावरण शुद्धता को एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक भी किया।

हेमंत सोनी अजमीढ़ सभा के

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

स्वर्णकार अजमीढ़ सभा द्वारा रविवार को पंजाबी धर्मशाला में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता आरके वर्मा व प्रधान रमेश सोनी ने की। बैठक में नई कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। जिसमें सर्व सम्मत्ति से हेमंत सोनी को उपप्रधान, सरजीत सोनी को सचिव, राजेंद्र को कोषाध्यक्ष व रामकरण सोनी, बिजेंद्र सेढ़ा, सतीश सेढ़ा को सरंक्षक की जिम्मेवारी सौंपी गई।

इस मौके पर बल्लू सोनी, देवेंद्र सोनी, गगन सोनी, रविंद्र सोनी, सुनील, राजू, सोनू, रमेश, संजय, रामभज ठेकेदार, विनोद, सुरेंद्र, टिल्लू, राकेश, राजेंद्र, रमेश, धर्मपाल, प्रदीप सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नव नियुक्त पदाधिकारी एवं समाज के प्रबुद्धजन। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

रामलीला | कलाकारों ने की रिहर्सल, संवादों का किया अभ्यास

रामलीलाओं के लिए मंच सजकर तैयार, आज से शुरू होगा मंचन

प्राचीन रामलीला का आयोजन दिन में और दो रामलीलाओं का मंचन रात को होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

■ स्टेज पर हवन कराया जाएगा

झज्जर। पुराना बस स्टैंड परिसर में मंच तैयार करते हुए कलाकार। फोटो : हरिभूमि

शारदीय नवरात्रों के आगमन के साथ ही शहर में सोमवार से रामलीलाओं का मंचन शुरू हो जाएगा। जिसको लेकर रामलीला आयोजकों द्वारा सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। आयोजन स्थलों पर मंच सजाए जा रहे हैं। बहादुरगढ़ रोड स्थित प्राचीन रामलीला मैदान में जहां दिन के समय रामलीला मंचन किया जाएगा वहीं शहर के पुराना बस स्टैंड परिसर में श्री लवकुश रामलीला क्लब तथा शहीद भगत सिंह चौक पर श्रीविकास रामलीला कमेटी सदस्यों द्वारा रात्रि में मंचन किया जाएगा। आयोजनकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने रामलीला मंचन को लेकर करीब एक माह पहले ही तैयारियां शुरू कर दी थीं।

शुरूआती पखवाड़े में जहां कलाकारों के संवाद का अभ्यास कराया गया वहीं पिछले पखवाड़े के दौरान कलाकारों को ढोलक व हारमोनियम के साथ गीतों व दोहों की रिहर्सल कराई गई। रविवार को पुराना बस स्टैंड परिसर व भगत सिंह चौक के नजदीक स्थित मैदान में रामलीला क्लब के कलाकार मंचन के लिए स्टेज आदि का प्रबंध करते नजर आए। श्री लवकुश रामलीला के प्रधान महावीर सैनी व श्री विकास रामलीला के प्रधान सुरेंद्र कोडान ने बताया कि उनकी रामलीला का मंचन सोमवार से किया जाएगा।

शुभारंभ से पूर्व करीब सायं पांच बजे विधिवत रूप से स्टेज पर हवन कराया जाएगा। इसके उपरांत शस्त्र पूजा होगी। रात करीब आठ बजे के बाद रामलीलाओं का मंचन शुरू होगा।

आज निकलेगी श्रीराम की सवारी

श्री प्राचीन रामलीला कमेटी प्रधान अंकुश दूहण ने बताया कि सोमवार को श्रीराम जन्म के उपलक्ष्य में शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में शहर के सतीश बैंड व पलवल, दिल्ली, यूपी मशहूर बैंड सेवाएं देंगे। श्रीराम जन्म की सवारी में मूसक के साथ भगवान श्रीगणेश, मां शेरावाली, श्रीरामलला, मां कालका के तीन स्वरूप, श्रीराधा-कृष्ण व भगवान शिव-पार्वती की झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगी। शाम चार बजे शुरू होने वाली यह शोभयात्रा प्राचीन रामलीला मैदान से शुरू होकर सिलानी गेट, त्रिमूर्ति मंदिर, यादव धर्मशाला, बीकानेर चौक, अंबेडकर चौक, मेन बाजार, चौपटा बाजार व दिल्ली गेट से होते हुए वापिस रामलीला मैदान पहुंचेगी।

आयोजकों के अनुसार रामलीला मंचन की प्रथम रात्रि नारद की तपस्या, विश्व मोहिनी स्वयंवर, भगवान शिव द्वारा लंकापति रावण व उसके भाई कुंभकर्ण व विभीषण को वरदान देने के अलावा पितृभक्त श्रवण कुमार का ड्रामा दिखाया जाएगा।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी।

जननायक जनता पार्टी करेगी पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल के सपनों को साकार : दलाल

झज्जर। जननायक जनता पार्टी देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवीलाल की नीतियों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्हीं की नीतियों के सहारे जरूरतमंद, कमेरा वर्ग व किसानों के साथ-साथ वह आमजन की सेवा करना चाहती है। यह बात जेजेपी जिलाध्यक्ष संजय दलाल ने पार्टी कार्यालय में हुई बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि इनेलो इसीलिए सत्ता से बाहर हो गई क्योंकि उन्होंने ताऊ देवीलाल की नीतियां छोड़ दी थी। बैठक में जिले की कार्यकारिणी का भी विस्तार किया गया। उन्होंने बताया कि नई कार्यकारिणी में जिले भर से उन 53 कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है जो चौधरी देवीलाल की नीतियों में आस्था रखते हैं और संगठन की मजबूती के लिए जी-जान से जुटे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता ताऊ देवीलाल के जन्मदिन पर प्रदेश में स्थापित उनकी प्रतिमाओं पर पुष्पार्पित करेंगे। 29 को होगा कार्यकर्ता सम्मेलन : जेजेपी के प्रेस प्रवक्ता विकास पाराशर ने बताया कि आगामी 29 सितंबर को पार्टी कार्यालय में जेजेपी द्वारा एक कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा मुख्य तौर पर शिरकत करेंगे। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राकेश जाखड़, अजय गुलिया, मिंटू ठेकेदार, धर्मेंद्र गुलिया, नसीब भारतीय, राजीव दलाल, संदीप अहलावत, राजू दलाल, मनोज पांचाल, राजेंद्र, कृष्ण सिलाना, भूपेंद्र गहलोत, काले रोहद, सतपाल दलाल, राम निवास, श्रीराम दहिया, सुरेंद्र राजौरा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।